आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत
माह अप्रैल 2022 में आयोजित कार्यक्रमों की आख्या

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय
जौनपुर 222003 उत्तर प्रदेश, भारत

क्रम संख्या	*कार्यक्रम विवरण*	*पृष्ठ संख्या*
1.	14 अप्रैल 2022: आजादी के अमृत महोत्सव के तहत मनाया गया डॉ भीमराव आंबेडकर जन्मजयंती	3-4
2.	18 अप्रैल 2022: जनसंचार विभाग में मनाया गया विश्व धरोहर दिवस	5
3.	21 अप्रैल 2022: नवाचार केन्द्र में राष्ट्रीय नागरिक सेवा दिवस मनाया गया	6-7
4.	22 अप्रैल 2022: पृथ्वी दिवस पर महिला छात्रावास में हुआ पोस्टर प्रतियोगिता, ट्रांजिट हॉस्टल में शिक्षकों ने किया पौधरोपण	8-9
5.	24 अप्रैल 2022: लोकतंत्र के आधारभूत स्तंभ के रूप में पंचायतों की भूमिका विषय पर छात्र संसद	10-11

14 अप्रैल 2022 आजादी के अमृत महोत्सव के तहत मनाया गया डॉ भीमराव आंबेडकर जन्मजयंती

डॉ. आंबेडकर समतामूलक समाज के प्रणेता : प्रो. देवराज

समरसता दिवस के रूप में मनाई गई बाबा साहब की जन्मजयंती

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिसर स्थित विश्वकर्मा छात्रावास तथा नवाचार केन्द्र में डॉ भीमराव आंबेडकर की जन्मजयंती धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर छात्रावास के सभागार में एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

संगोष्ठी के मुख्य अतिथि रज्जू भैया संस्थान के निदेशक प्रो देवराज सिंह ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि डॉ आंबेडकर ने भारतीय समाज में फैली छुआछूत को दूर करने तथा समाज के शोषित, वंचित व पिछड़ों मुख्य धारा में लाने के लिए आजीवन संघर्ष किया। भारत के संविधान निर्माता के रूप में उन्होंने समतामूलक समाज के निर्माण हेतु अद्वितीय प्रयास किया। इस मौके पर विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित डॉ श्याम कन्हैया ने छात्रों को बाबा साहब के जीवन से प्रेरणा लेने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने बाबा साहब के जीवन संस्मरणों का छात्रों के साथ साझा किया।

संगोष्ठी को संबोधित करते हुए विश्वकर्मा छात्रावास के वार्डेन तथा मुख्य वक्ता डॉ नितेश जायसवाल ने कहा कि डॉ भीमराव आंबेडकर दलित, शोषित, वंचित व पिछड़ों के प्रेरणा स्त्रोत है । स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद प्रारूप समिति के अध्यक्ष के रूप में भारत के संविधान निर्माण महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन किया। स्वतंत्रता पूर्व कोलंबिया विश्वविद्यालय व लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स से मास्टर व डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त करने वाले डॉ. आंबेडकर अपने समाज से पहले भारतीय थे। डॉ आंबेडकर से आज का युवा पीढ़ी प्रेरणा प्राप्त कर शिक्षा के माध्यम से अपने समाज व देश को आगे ले जा सकता है। डॉ आंबेडकर ने राजनीति, विधि, कानून व अर्थशास्त्र पर कई शोध स्तरीय पुस्तके लिखी।

डॉ. जायसवाल ने बताया की स्वतंत्रता प्राप्ति से पूर्व ही वह बॉम्बे विधान परिषद व विधान सभा के सदस्य रहे। स्वतंत्र भारत में वह बाम्बे से राज्यसभा के लिए निर्वाचित होकर देश के पहले कानून व न्याय मंत्री बने। समाज के विभिन्न क्षेत्रों में में उनके योगदान को दृष्टिगत रखते हुए 1990 में भारत सरकार ने उन्हें देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से सम्मानित किया। संगोष्ठी का संचालन और अतिथियों का स्वागत छात्रावास के अंतःवासी राहुल कुमार ने किया। इस मौके पर छात्रावास के कर्मचारी इंद्राज, अर्जुन, विरेंदर, राहुल तथा छात्रावास के सभी अंतःवासी मौजूद रहे।

डॉ. अंबेडकर समतामूलक समाज के प्रणेता

बोले प्रो. देवराज

समरसता दिवस के रूप में मनाई बाबा साहब की जयंती

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिसर स्थित विश्वकर्मा छात्रावास में डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर छात्रावास के सभागार में एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

संगोष्ठी के मुख्य अतिथि रज्जू भैया संस्थान के निदेशक प्रो. देवराज सिंह ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि डॉ. आंबेडकर ने भारतीय समाज में फैली छुआछूत को दूर करने तथा समाज के शोषित, वंचित व पिछड़ों मुख्य धारा में लाने के लिए आजीवन संघर्ष किया। भारत के संविधान निमार्ता के रूप में उन्होंने समतामूलक समाज के निर्माण हेतु अद्वितीय प्रयास किया। इस मौके पर विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित डॉ. श्याम कन्हैया ने छात्रों को बाबा साहब के जीवन से प्रेरणा लेने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने बाबा साहब के जीवन संस्मरणों का छात्रों के साथ साझा किया।

संगोष्ठी को सम्बोधित करते वक्ता।

संगोष्ठी को संबोधित करते हुए विश्वकर्मा छात्रावास के वार्डेन तथा मुख्य वक्ता डॉ. नितेश जायसवाल ने कहा कि डॉ. भीमराव आंबेडकर दलित, शोषित, वंचित व पिछड़ों के प्रेरणा स्त्रोत है।

स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद प्रारूप समिति के अध्यक्ष के रूप में भारत के संविधान निर्माण महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन किया। स्वतंत्रता पूर्व कोलंबिया विश्वविद्यालय व लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स से मास्टर व डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त करने वाले डॉ. आंबेडकर अपने समाज से पहले भारतीय थे। डॉ. आंबेडकर से आज का युवा पीढ़ी प्रेरणा प्राप्त कर शिक्षा के माध्यम से अपने समाज व देश को आगे ले जा सकता है। डॉ. आंबेडकर ने राजनीति, विधि, कानून व अर्थशास्त्र पर कई शोध स्तरीय पुस्तके लिखी।

डॉ. जायसवाल ने बताया की स्वतंत्रता प्राप्ति से पूर्व ही वह बॉम्बे विधान परिषद व विधान सभा के सदस्य रहे। स्वतंत्र भारत में वह बाम्बे से राज्यसभा के लिए निर्वाचित होकर देश के पहले कानून व न्याय मंत्री बने। समाज के विभिन्न क्षेत्रों में में उनके योगदान को दृष्टिगत रखते हुए 1990 में भारत सरकार ने उन्हें देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से सम्मानित किया। संगोष्ठी का संचालन और अतिथियों का स्वागत छात्रावास के अंतः वासी राहुल कुमार ने किया। इस मौके पर छात्रावास के कर्मचारी इंद्राज, अर्जुन, विरेंदर, राहुल तथा छात्रावास के सभी अंतःवासी मौजूद रहे।

अंबेडकर की विचारधारा आज भी प्रासंगिक और अनुकरणीय : डॉ रसिकेश

पीयू में अंबेडकर जयंती पर हुए कई कार्यक्रम

संवाददाता जन धमाका टाइम्स

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के फार्मेसी संस्थान के शोध व नवाचार केंद्र में डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती समारोह मनाया गया। यह कार्यक्रम विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. निर्मला एस.मौर्य की प्रेरणा से मनाया गया।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ रसिकेश ने डॉ भीमराव अंबेडकर के विचारों की वर्तमान में प्रासंगिकता विषय पर अपने विचार को रखा। डॉ रसिकेश ने कहा कि डॉ अंबेडकर ने किसी जाति विशेष की बात न करके भारत को संविधान जैसी अनमोल कृति दी। उनके हर शब्द और विचार आज भी प्रासंगिक और अनुकरणीय है। वह दलितों के मसीहा नहीं सर्वसमाज को नई दिशा देने वाले महापुरुष थे।

कार्यक्रम में नीरज श्रीवास्तव ने युग परिवर्तन गीत गाकर सबको मंत्रमुग्ध कर दिया। युवा छात्र नेता उद्देश्य सिंह ने सभी छात्रों व अतिथियों को बालिका सुरक्षा शपथ मिशन शक्ति फेज चार के तहत दिलाई और अपने विचार साझा किया। मिशन शक्ति की सदस्य डॉ जान्हवी श्रीवास्तव ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। डॉ श्रीवास्तव ने बताया गूगल मीट के माध्यम से पूर्वांचल विश्वविद्यालय से सम्बद्ध महाविद्यालयों को जोड़ा गया। डॉ राकेश यादव समन्वयक राष्ट्रीय सेवा योजना ने महाविद्यालयों को कार्यक्रम से जोड़ा। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रो बीडी शर्मा ने डॉ अंबेडकर के विचारों पर विस्तृत चर्चा की और डॉ अंबेडकर के विचारों को युग परिवर्तन के लिए महत्वपूर्ण कारक बताया।

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के समस्त विभागों के छात्रों ने भाषण में प्रतिभाग किया, जिसमें आस्था गुप्ता व नेहा गुप्ता को प्रथम पुरस्कार, निकिता मिश्र व सचिन कुमार को द्वितीय पुरस्कार, मोनिका मौर्य को तृतीय पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। सर्वप्रथम डॉ भीमराव अंबेडकर के चित्र पर पुष्प अर्पण व दीप प्रज्वलन किया गया।

धन्यवाद ज्ञापन डॉ विनीता सिंह व कार्यक्रम का संचालन डॉ विनय वर्मा व डॉ सोनम झा ने किया। कार्यक्रम में डॉ राजेश कुमार, उद्देश्य सिंह, राज वंश पटेल, आलोक मिश्र, सौरभ कन्नौजिया, शिवभूषण सिंह, विवेक पांडेय, आलोक मौर्य, शनि सरोज, प्रिंस त्रिपाठी, उद्देश्य सिंह, उग्रसेन यादव सहित समस्त छात्र उपस्थित रहे।

18 अप्रैल 2022 जनसंचार विभाग में मनाया गया विश्व धरोहर दिवस

विश्व धरोहर दिवस पर जनसंचार विभाग में गोष्ठी का हुआ आयोजन

सोमवार, अप्रैल 18, 2022

वर्तमान दौर में जलवायु और धरोहर दोनों पर है संकट- डॉ. विजयेंदु

जौनपुर. वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग द्वारा सोमवार को विश्व धरोहर दिवस के अवसर पर गोष्ठी का आयोजन किया गया.गोष्ठी में बतौर मुख्य अतिथि डॉ राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या के पत्रकारिता विभाग के अध्यक्ष डॉ. विजयेंदु चतुर्वेदी ने कहा कि जन माध्यमों ने धरोहरों के संरक्षण में बड़ी भूमिका अदा की है. जनमाध्यम खबरों के द्वारा निरंतर धरोहरों के रखरखाव के प्रति शासन-प्रशासन का ध्यान आकर्षित करते रहते है.उन्होंने कहा कि विश्व धरोहर दिवस की इस बार की थीम धरोहर और जलवायु है. यह विषय बहुत ही संवेदनशील है. वर्तमान दौर में जलवायु और धरोहर दोनों पर संकट है. इसको सुरक्षा मानव ही कर सकता है. उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में ताजमहल विश्व धरोहर है जिस पर प्रदूषण के खतरे को मीडिया ने बार- बार उठाया है.
जनसंचार विभाग के अध्यक्ष डॉ मनोज मिश्र ने कहा कि धरोहरों को सहेजने की जरूरत है इससे हमारी पहचान जुड़ी है. उन्होंने कहा कि हमारी संस्कृति और विरासत पूरी दुनिया में सर्वश्रेष्ठ है. भारत में वर्तमान में 40 यूनेस्को विश्व विरासत स्थल हैं वह आगे की पीढ़ी के लिए सुरक्षित रहे यह सबकी जिम्मेदारी है. इसी क्रम में डॉ अवध बिहारी सिंह ने कहा आज कई वेबसाइटों पर धरोहरों से संबंधित गलत सूचनाएं उपलब्ध है.

सही जानकारी के लिए प्रतिष्ठित वेबसाइटों से ही जानकारी लेनी चाहिए. उन्होंने कहा कि देश की धरोहरें हमारी अर्थव्यवस्था को भी मजबूत कर रही है. कार्यक्रम का संचालन गोष्ठी के संयोजक डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर एवं धन्यवाद ज्ञापन मीडिया प्रभारी डॉ सुनील कुमार ने किया. इस अवसर पर विभाग के विद्यार्थी उपस्थित रहे.

21 अप्रैल 2022 : नवाचार केन्द्र में राष्ट्रीय नागरिक सेवा दिवस मनाया गया

देश की धरोहर को बचाए रखने के लिए देश की सेवा में योगदान जरूरी- कुलपति निर्मला एस मौर्य ,

कुलपति निर्मला एस मौर्य , वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर की निर्देशन एवं मिशन शक्ति टीम के सहयोग से वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर में आजादी के अमृत महोत्सव , मिशन शक्ति फेज ४ के अन्तर्गत विश्वविद्यालय प्रांगण के नवाचार केन्द्र में राष्ट्रीय नागरिक सेवा दिवस मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति महोदया प्रोफेसर निर्मला एस मौर्य ने कहा कि आज की युवाओं को यह देखने की जरूरत है कि वे देश को क्या दे रहे हैं? उन्हें देश को आगे बढ़ाने के लिए सजग योगदान देने की जरूरत है।

कुलसचिव श्री महेंद्र कुमार ने अपने वक्तव्यों से छात्र छात्राओं को आकर्षित करते हुए कहा कि राष्ट्रीय एकता व अखण्डता को बनाए रखना हीं हमारा परम कर्तव्य होना चाहिए और इसके लिए आज की युवाओं व नागरिकों को आगे आने की जरूरत है।

विशिष्ट वक्ता डॉ राज बहादुर यादव सह आचार्य अंग्रेजी विभाग , मेहरावा पी जी कालेज ने कहा कि समाज सेवा से हमारे व्यक्तित्व का विकास संभव है और इसके लिए समाज में महिलाएं मुख्य योगदान दे रही हैं।

डॉ जाह्नवी श्रीवास्तव ने कहा कि विद्यार्थियों को लक्ष्य हमेशा ऊंचा रखना चाहिए और जौनपुर की मिट्टी में ऐसी बात है कि यहां के छात्र - छात्राएं कुछ भी करने की काबिलियत रखते हैं। उन्होंने कहा कि हमारी मिशन शक्ति टीम छात्र छात्राओं को पूरी तन्मयता से जागरूक करने का कार्य कर रही है।

मुख्य वक्ता डॉ सुरेश कुमार जिला प्रचारक , राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने कहा कि समाज, देश व राष्ट्र के नागरिकों की सेवा में योगदान देने वाला हीं जाग्रत राष्ट्र की अखण्डता , एकता व प्रभूता को बनाए रख सकती है इसलिए हम सभी को मिलकर इसके लिए कार्य करने की जरूरत है साथ हीं उन्होंने बताया कि मनुष्य का भाव, मनुष्य के चरित्र का निर्माण करता है, इसलिए आज की युवाओं को एक सच्चा नागरिक बनकर देश की सेवा में योगदान देने की जरूरत है।

कार्यक्रम का संचालन आयोजन सचिव डॉ वनिता सिंह ने , स्वागत भाषण डॉ जाह्नवी श्रीवास्तव तथा धन्यवाद सह समन्वयक डॉ विनय वर्मा ने किया । इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए डॉ प्रियंका एवं मिशन शक्ति सदस्य डॉ सोनम झा, डॉ रेखा पाल, डॉ पूजा सक्सेना का विशेष योगदान रहा। तकनीकी सहयोग , शोध छात्र अवनीश विश्वकर्मा ने किया। इसके अलावा शिक्षक गण प्रोफेसर ए के श्रीवास्तव , डॉक्टर नृपेंद्र सिंह, डॉ रजनीश भास्कर डॉक्टर सुशील कुमार , डॉक्टर राजेश कुमार एवं छात्र-छात्राएं सिवासंकर , विवेक पांडे , आलोक मौर्य अर्पित श्रीवास्तव ,प्रवीण कुमार , सनी कुमार ,सरोज, पीयूष यादव अंतिमा , वैशणवी श्रीवास्तव ,मोनिका मौर्या , आजाद केसरी सत्यम यादव, लालू यादव आदि उपस्थित रहे।

देश की धरोहर को बचाने में योगदान जरूरी

बोली कुलपति

न्यायाधार केंद्र में राष्ट्रीय नागरिक सेवा दिवस मनाया गया

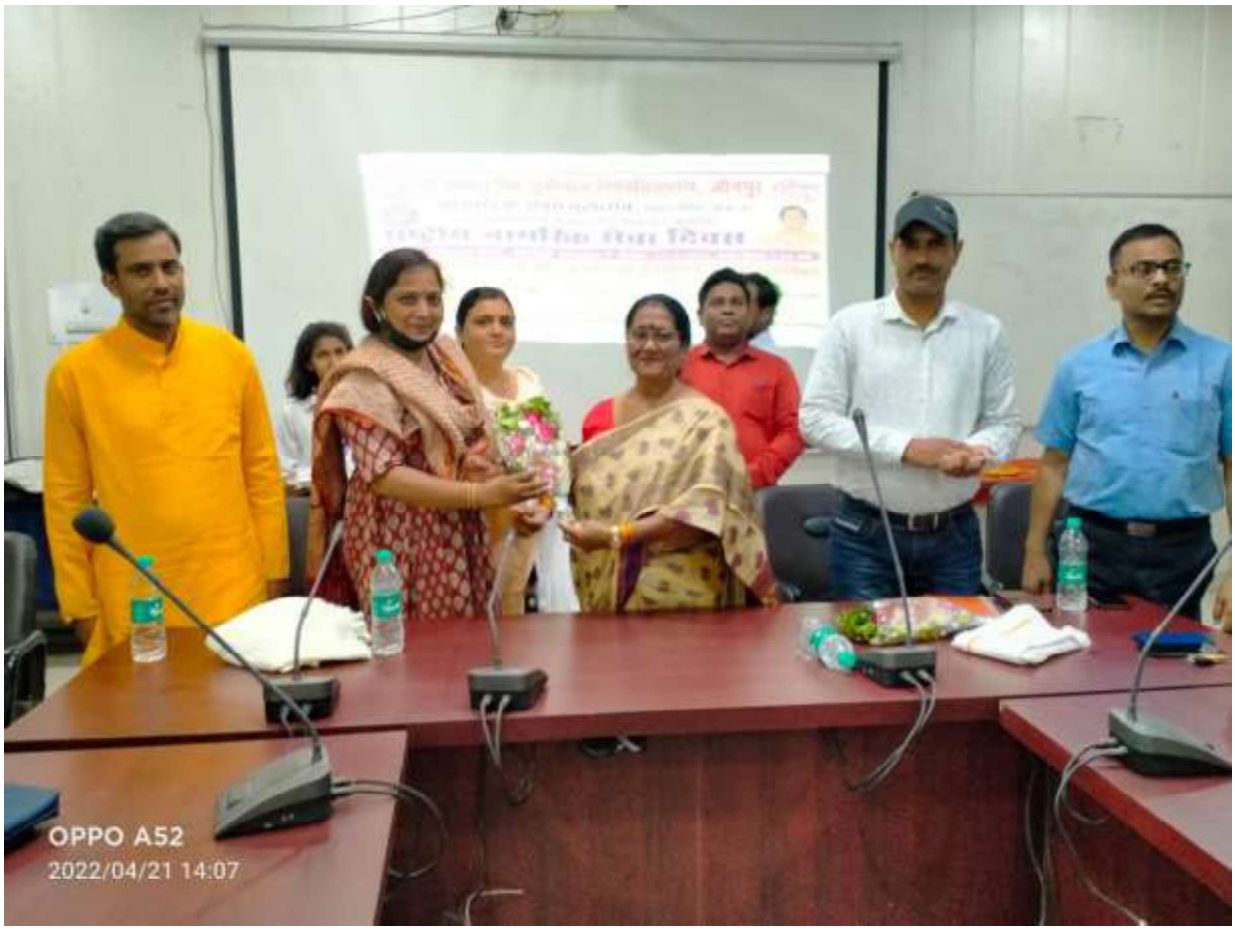

22 अप्रैल 2022 पृथ्वी दिवस पर महिला छात्रावास में हुआ पोस्टर प्रतियोगिता, ट्रांजिट हॉस्टल में शिक्षकों ने किया पौधरोपण

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के महिला छात्रावास में आजादी के अमृत महोत्सव के तहत शुक्रवार को पृथ्वी दिवस मनाया गया।

इस अवसर पर पृथ्वी दिवस की थीम हमारा गृह पृथ्वी का संरक्षण एवं पर्यावरण को रखकर पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह समारोह आजादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर मिशन शक्ति फेस - 4 के अंतर्गत लक्ष्मीबाई महिला छात्रावास में मनाया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर निर्मला एस. मौर्य की प्रेरणा से विश्वविद्यालय के शिक्षक और विद्यार्थी हर दिवस को गंभीरता के साथ मनाते हैं। कार्यक्रम सचिव डॉक्टर पूजा सक्सेना ने अतिथियों का स्वागत किया। निर्णायक मंडल में डॉ मुक्ता राजे डॉक्टर जया शुक्ला डॉ अनीता सिंह डॉ प्रियंका रहीं। छात्राओं का हौसला अफजाई मिशन शक्ति के डॉक्टर जाह्नवी श्रीवास्तव ने किया। प्रतियोगिता में प्राची तनु पांडे सरोजिनी निधि अनुष्का ने तो पूजा सोनाली नंदनी अनन्या अनामिका आदि छात्राओं ने भाग लिया । इसी बीच शिक्षकों के ट्रांजिट हॉस्टल में पौध रोपण का कार्यक्रम किया गया है। इस अवसर पर डॉ विनय वर्मा ने कहा कि पृथ्वी सुरक्षित रहेगी तभी हम सुरक्षित रहेंगे। ऐसे में हमें चारों तरफ हरियाली लाकर प्रकृति के संतुलन को बनाना जरूरी है। इस अवसर पर डॉ विवेक कुमार पाण्डेय, डॉ सुरेंद्र कुमार सिंह, डॉ दीप सिंह, डॉक्टर अनीश, अवधेश कुमार मौर्या, डॉ डॉक्टर दिनेश कुमार आदि उपस्थित रहे ।

पृथ्वी दिवस पर महिला छात्रावास में पोस्टर स्पर्धा

[illegible]

[illegible]

नामांकन को किया प्रेरित

[illegible]

24 अप्रैल 2022 : लोकतंत्र के आधारभूत स्तंभ के रूप में पंचायतों की भूमिका विषय पर छात्र संसद

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के नवाचार केंद्र में आज़ादी का अमृत महोत्सव के तहत रविवार लोकतंत्र के आधारभूत स्तंभ के रूप में पंचायतों की भूमिका विषय पर छात्र संसद बिठाया गया जिसके अंतर्गत वाद विवाद प्रतियोगिता आयोजित करके , 'राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस 'मनाया गया।

इस अवसर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें प्रथम पुरस्कार विजेता आदित्य सेकंड द्वितीय पुरस्कार विजेता अंजली दुबे आस्था थर्ड पुरस्कार विजेता निधि दुबे और सुंदरम दुबे रहे।कार्यक्रम समन्वयक डॉ जाह्नवी श्रीवास्तव ने कहा कि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर निर्मला एस. मौर्य की प्रेरणा से विश्वविद्यालय के शिक्षक और विद्यार्थी हर दिवस को गंभीरता के साथ मना रहे हैं। आयोजन सचिव डॉ विनय वर्मा ने अतिथियों का स्वागत किया। प्रो बी डी शर्मा ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि आज की यह युवा पीढ़ी ही आगे चलकर देश की बागडोर संभालेगी ,ऐसे में इस तरह के विषयों को समझना जानना अति आवश्यक है , मुख्य अतिथि के रूप में छात्रावास के चीफ वार्डन डॉ रजनीश भास्कर ने विषय पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इस तरह के आयोजन समय समय पर महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों में होते रहने चाहिए इससे छात्रों में नेतृत्व क्षमता का विकास होता है ,इस अवसर पर डॉ पूजा सक्सेना ने कहा कि छात्राओं को भी नियमित रूप से समाचार सुनना एवं पढ़ना चाहिए, डॉ झाँसी मिश्रा ने बच्चों का हौसला अफजाई किया ।प्रतियोगिता में प्राची तनु पांडे सरोजिनी निधि अनुष्का ने तो पूजा सोनाली नंदनी अनन्या अनामिका आदि छात्राओं ने भाग लिया । अंत में सभी आगंतुको के प्रति डॉ जया शुक्ला ने आभार प्रकट किया ।कार्यक्रम का संचालन छात्र संघ के नेता उदय सिंह ने किया धन्यवाद ज्ञापन प्रिंस त्रिपाठी ने किया इस अवसर पर आलोक मौर्य सनी सरोज सुमित सिंह सूर्यकांत तिवारी ,करण राजभर,ऋषभ,एवं तनु आदि छात्र उपस्थित रहे ।

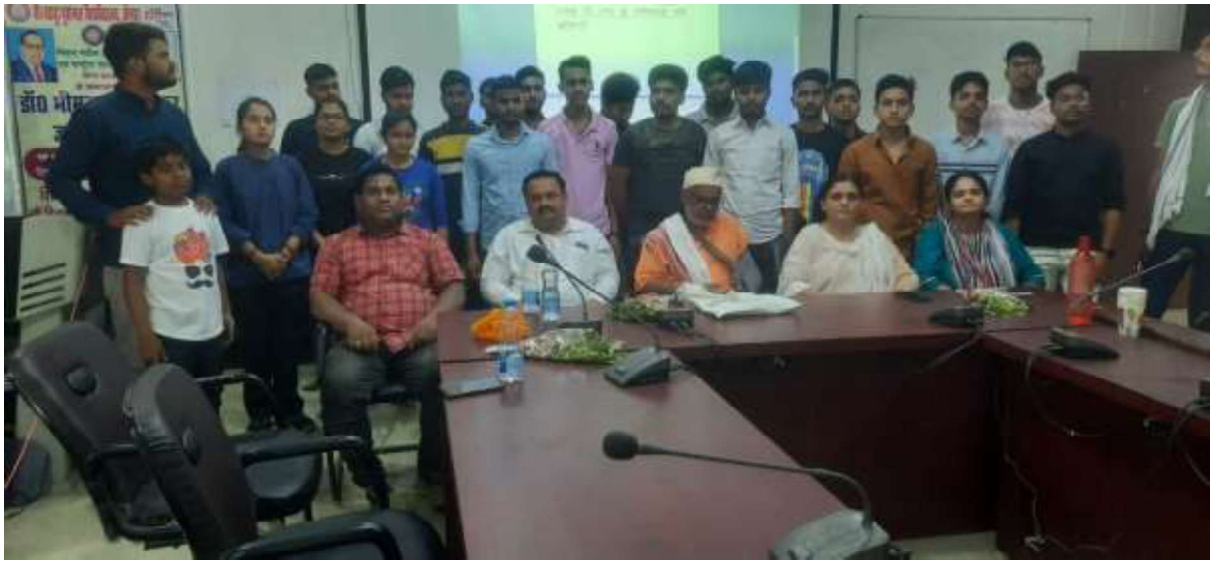

प्रतियोगिता से विद्यार्थियों में होता है नेतृत्व का विकास

व्यूरो आज का परिणाम

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के नवाचार केंद्र में आजादी का अमृत महोत्सव के तहत रविवार को लोकतंत्र के आधारभूत स्तंभ के रूप में पंचायतों की भूमिका विषय पर छात्र संसद का आयोजन किया गया । इसके अंतर्गत वाद विवाद प्रतियोगिता आयोजित करके , 'राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस 'मनाया गया। चीफ वार्डन डॉ0 रजनीश भास्कर ने कहा कि इस तरह की प्रतियोगिताए समय समय पर महाविद्यालयो एवं विश्वविद्यालयों में होते रहने चाहिए। इससे छात्रों में नेतृत्व क्षमता का विकास होता है। प्रो. बी डी शर्मा ने कहा कि आज की यह युवा पीढ़ी ही आगे चलकर देश की बागडोर संभालेगी ,ऐसे में इस तरह के विषयो को समझना जानना अति आवश्यक है। भाषण प्रतियोगिता हुई जिसमें प्रथम पुरस्कार विजेता आदित्य, सेकंड द्वितीय पुरस्कार विजेता अंजली दुबे, आस्था थर्ड पुरस्कार

विजेता निधि दुबे और सुंदरम दुबे रहे। कार्यक्रम समन्वयक डॉ जाह्नवी श्रीवास्तव ने कहा कि विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर निर्मला एस. मौर्य की प्रेरणा से विश्वविद्यालय के शिक्षक और विद्यार्थी हर दिवस को गंभीरता के साथ मना रहे हैं। आयोजन सचिव डॉ0 विनय वर्मा ने अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर डॉ0 पूजा सक्सेना, डॉ झाँसी मिश्रा ने बच्चों का हौसला अफजाई किया। डॉ जया शुक्ला ने आभार और संचालन छात्र संघ के नेता उदय सिंह ने किया धन्यवाद ज्ञापन प्रिंस त्रिपाठी ने किया। इस अवसर पर आलोक मौर्य, सनी, सरोज, सुमित सिंह, सूर्यकांत तिवारी,करण राजभर, ऋषभ,एवं तनु आदि छात्र उपस्थित रहे ।